PART-**1**

यूनानी भूगोलवेत्ता- पोलीबियस

डॉ. राजेश कुमार सिंह, भूगोल विभाग

SNSRKS महाविद्यालय सहरसा

यूनानी भूगोलवेत्ता (Greek Geographers)

पृथ्वी के विभिन्न भागों के पर्यावरण और उनके निवासियों की जीवन पद्धति पर वर्णनात्मक लेखन का आरंभ यूनान में नौवीं शताब्दी ईसा पूर्व में हो गया था । तत्कालीन महाकवि होमर (Homer) की दो काव्य रचनाओं में महत्वपूर्ण भौगोलिक वर्णन मिलते हैं। इसके पश्चात् के वर्षों में थेल्स (Thales), अनेग्जीमैण्डर (Anaximander), हेकैटियस् (Hecataeus), हेरोडोटस (Herodotus), अरस्तू (Aristotle), थियोफ्रेस्टस (Theophrastus), इरेटोस्थनीज (Eratosthenes), पोलीबियस (Polybius), हिप्पारचुस (Hipparchus), पोसिडोनियस (Posidoneus) आदि प्रमुख यूनानी विद्वानों ने भौगोलिक ज्ञान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रांकित पंक्तियों में इन यूनानी विद्वानों के योगदानों की संक्षिप्त चर्चा की गयी है।

(10) पोलीबियस (Polybius)

पोलीबियस (210-128 ई० पू०) ने भौतिक भूगोल के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया था। इन्होंने नदियों के अपरदन और निक्षेपण कार्यों तथा उनसे उत्पन्न कई स्थलरूपों यथा बाढ़ के मैदान, टेल्टा आदि के निर्माण का वर्णन किया था।